**Newspaper: Dainik Jagran**
**Edition: Delhi | Date: 05th October, 2018 | Pg. 16**

# मिड-डे मील के लिए बच्चों ने उगाईं ऑर्गेनिक सब्जियां

सुमेश ठाकुर ● चंडीगढ़

**स्वस्थ समाज**

चंडीगढ़ के सेक्टर 47 स्थित गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने बेहतर पहल की है। स्कूल में परोसे जाने वाले मिड-डे मील के लिए वे खुद ही ऑर्गेनिक सब्जियां उगा रहे हैं। जी हां, चार साल पहले शुरू हुई सब्जियों की पैदावार आज क्विंटलों में पहुंच गई है।

बच्चे द्वारा उगाई जा रही सब्जी उनके लिए स्कूल में बनने वाले मिड-डे मील में तो इस्तेमाल हो ही रही है साथ ही आसपास के अन्य स्कूलों में भी पहुंचाई जा रही है। ऑर्गेनिक सब्जियों को उगाने की पहल करने वाला यह स्कूल (जीएमएसएसएस-47) देश का पहला स्कूल बन गया है, जहां पर मिड-डे मील की पौष्टिकता खुद बच्चे तय करते है। स्कूल में ऑर्गेनिक खेती की शुरुआत प्याज से की गई थी। जो कि बाद में आलू, कद्दू, धनिया, बैंगन, गाजर, मूली, पालक जैसी सब्जियों के रूप में आगे बढ़ती चली गई। इस साल गर्मियों में स्कूल ने दो क्विंटल प्याज पैदा किया। प्याज के अलावा अन्य सब्जियों की आठ क्विंटल पैदावार हुई। उसके बाद बरसात के सीजन में यह पैदावार दस क्विंटल तक पहुंची। जिसमें भिंडी से लेकर, तोरी और घीया भी शामिल थे। इस समय सर्दियों के सीजन की सब्जियों को बोया जा चुका है जो कि नवंबर से मिड-डे मील के लिए तैयार होना शुरू हो जाएंगी। यहां मिड-डे मील में स्टूडेंट्स को खाने के साथ भरपूर सलाद भी परोसा जाता है। मूली, खीरा और प्याज के अलावा सलाद में अन्य सब्जियों का चयन स्टूडेंट्स ही करते हैं। पहली से आठवीं कक्षा के डेढ़ हजार स्टूडेंट्स को यहां पर मिड-डे मील रोजाना परोसा जाता है। इसमें मेन्यू के मुताबिक व्यंजनों के साथ-साथ एक हरी सब्जी अवश्य परोसी जाती है। जीएमएसएसएस-47 में सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के बाद यह सब्जी शहर के आसपास के स्कूलों में भी मिड-डे मील के लिए सप्लाई होने लगी है। शहर के सात स्कूलों में मिड-डे मील की रसोई है।

### बाल किसान

- चंडीगढ़ के गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पैदा हो रही 20 क्विंटल सब्जी
- चार साल पहले बच्चों ने स्कूल ग्राउंड में ही शुरू की थी ऑर्गेनिक खेती

सरकारी स्कूल में आर्गेनिक सब्जियां उगाने की पहल को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। दूसरे स्कूल भी इसे फॉलो कर रहे हैं। दूसरे शहरों के स्कूल भी यहां से जानाकारी ले रहे हैं। यह प्रयास सराहनीय है।

**बंसी लाल शर्मा**, शिक्षा सचिव, चंडीगढ़

चंडीगढ़ : गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-47 में ऑर्गेनिक गार्डन में उगाए लहसुन और प्याज दिखाते छात्र ● जागरण

### बच्चे करते हैं मेहनत, सीखते हैं ऑर्गेनिक खेती

इस गार्डन को चलाने का कार्य बच्चे खुद करते है। स्कूल के दैनिक कार्यक्रम में से कुछ समय निकालकर वे जैविक खेती में निपुणता हासिल करते हैं। स्कूल के अनेक बच्चे घरों में भी इस पद्धति से सब्जियां उगा रहे हैं। इस स्कूल के बच्चों की पहल को सरकार की तरफ से भी सम्मान मिल चुका है। इस तरह का प्रयोग देशभर के अन्य स्कूलों में भी शुरू किए जाने की बात कही गई है।